



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 158]

नई दिल्ली, सोमवार, अप्रैल 1, 2013/चैत्र 11, 1935

No. 158]

NEW DELHI, MONDAY, APRIL 1, 2013/CHAITRA 11, 1935

नागर विमानन मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 28 मार्च, 2013

सा.का.नि. 196(अ).—कतिपय नियमों का निम्नलिखित प्रारूप जिसमें केन्द्रीय सरकार, वायुयान अधिनियम, 1934 (1934 का 22) के खंड-5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए वायुयान नियमावली, 1937 में और संशोधन करने का प्रस्ताव करती है, जिसे उक्त अधिनियम की धारा-14 की अपेक्षानुसार ऐसे व्यक्तियों की जानकारी के लिए, जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना है, प्रकाशित किया जाता है और एतद्वारा सूचना दी जाती है कि भारत के राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना की प्रतियों को सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराए जाने की तारीख से तीस दिन की अवधि के पश्चात् उक्त प्रारूप पर विचार किया जाएगा।

आक्षेप या सुझाव, यदि कोई हो, तो उसे महानिदेशक नागर विमानन, सफदरजंग हवाईअड्डा के सामने, नई दिल्ली-110003 को भेजें।

उक्त अवधि के समाप्त होने से पूर्व उक्त प्रारूप नियमों के बाबत किसी व्यक्ति से प्राप्त आक्षेप या सुझाव पर केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार किया जाएगा।

प्रारूप नियम

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ.—इन नियमों का संक्षिप्त नाम वायुयान (संशोधन) नियम, 2012 है।

2. भाग XII (क) का अंतः स्थापन वायुयान नियम, 1937 में (इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) भाग XII-क और भाग XII-ख को क्रमशः भाग XII-ख और भाग XII-ग के रूप में पुनर्संख्यांकित किया जाएगा और यथा पुनर्संख्यांकित भाग XII-ख से पूर्व, निम्नलिखित भाग को अंतः स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

“भाग XII-क-वैमानिकी दूरसंचार”

119. संचार, दिक्चालन एवम् निगरानी या विमान यातायात प्रबंधन सुविधाओं के प्रमाण पत्र—(1) कोई व्यक्ति संचार, दिक्चालन एवम् निगरानी या विमान यातायात प्रबंधन प्रसुविधाओं की स्थापना या प्रयोग का निमित्त नहीं बनेगा या अनुज्ञा नहीं देगा जब तक कि वह महानिदेशक द्वारा प्रमाणित न हो।

परन्तु, राष्ट्रीय संकट, प्राकृतिक आपदाएं, आपातकाल या प्रचालन के लिए अन्यथा अपेक्षित प्रसुविधाओं की स्थिति में, महानिदेशक, विमान यातायात सेवाओं के प्रचालन, वायुयान प्रचालन अथवा दिक्चालन के प्रयोजनार्थ किसी सुविधा के अस्थायी प्रयोग के लिए ऐसी शर्तें जिन्हें लागू करना वे उचित समझें, के अध्यक्षीन अनुमोदन दे सकते हैं।

परन्तु, इन नियमों के प्रारंभ होने से पूर्व, किसी वैमानिक दूरसंचार केंद्र में संचार, दिक्चालन एवं निगरानी या विमान यातायात प्रबंधन सुविधाओं के प्रचालन की अनुज्ञा यदि किसी व्यक्ति को पहले से ही दी गई है तो वह व्यक्ति केंद्र सरकार द्वारा अधिसूचित होने की तारीख तक, महानिदेशक से प्रमाण पत्र प्राप्त करने तक, ऐसी सेवाओं का प्रचालन जारी रख सकता है।

2. इस नियम के प्रावधान ऐसे किसी संचार, दिक्चालन एवं निगरानी या विमान यातायात प्रबंधन प्रसुविधाओं से संबंधित स्थापना और प्रचालन पर लागू नहीं होंगे जो

(क) सैन्य प्राधिकारियों के नियंत्रणाधीन हो और मुख्यतः सैन्य प्रयोग हेतु हो।

(ख) परीक्षण हेतु और विमानन यातायात सेवाओं के समर्थन अथवा वायुयान प्रचालन अथवा दिक्चालन में प्रयुक्त न हों।

3. इस नियम की कोई भी बात, किसी भी व्यक्ति को भारतीय तार अधिनियम 1885 (1885 के 13) के प्रावधानों से और उसके तहत, किसी वैमानिक दूरसंचार केंद्र में विमान यातायात सेवाओं और वायुयान प्रचालन के लिए संचार, दिक्चालन एवम् निगरानी या विमान यातायात प्रबंधन सेवाओं की स्थापना और प्रचालन के लिए बने नियमों से, छूट प्रदान नहीं करेगी।

120. प्रमाण पत्र प्रदान करने हेतु अर्हता:- किसी वैमानिक दूरसंचार केंद्र पर, विमान यातायात सेवाओं अथवा वायुयान प्रचालन के समर्थन हेतु स्थापित अथवा प्रयुक्त होने वाले संचार, दिक्चालन एवम् निगरानी या विमान यातायात प्रबंधन प्रसुविधाओं के लिए प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा -

(क) केंद्र सरकार द्वारा संचार, दिक्चालन, निगरानी अथवा विमान यातायात प्रबंधन प्रसुविधाओं को उपलब्ध कराने के प्रयोजनार्थ व्यवस्थापित किसी कंपनी अथवा निकाय को, अथवा महानिदेशक द्वारा इस प्रयोजनार्थ अनुमोदित किसी विमान दिक्चालन सेवा प्रदानकर्ता को।

(ख) किसी विमान क्षेत्र लाइसेंस धारक को अवतरण प्रक्रिया में मुख्यतः सहायक अवतरण यंत्र प्रक्रिया के रूप में दिक्चालन सुविधा स्थापित करने हेतु।

121. प्रमाण पत्र प्रदान करने की प्रक्रिया:- (1) किसी वैमानिक दूरसंचार केंद्र पर, विमान यातायात सेवाओं अथवा वायुयान प्रचालन अथवा संचालन के समर्थन हेतु स्थापित अथवा प्रयुक्त होने वाले संचार, दिक्चालन एवम् निगरानी या विमान यातायात प्रबंधन प्रसुविधाओं के प्रमाणीकरण हेतु आवेदन, संचार, दिक्चालन और निगरानी नियमावली सहित महानिदेशक को दिया जाएगा।

(2) उपनियम (1) के तहत दिए जाने वाले आवेदन का प्रपत्र तथा उसमें समाविष्ट विवरण वैसे होगा जैसे महानिदेशक द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाए।

(3) महानिदेशक, आवेदन के निपटान हेतु, आवेदक से कोई भी अतिरिक्त सूचना, जो वे आवश्यक समझें, प्रस्तुत करने की अपेक्षा कर सकते हैं।

(4) महानिदेशक, संचार, दिक्चालन एवम् निगरानी या विमान यातायात प्रबंधन सुविधाओं को, आवश्यक समझे जाने वाले शर्तों के अधीन प्रमाणित करेंगे।

122. **संचार, दिक्चालन एवं निगरानी अथवा विमान यातायात प्रबंधन सुविधा नियमावली:-** (1) प्रत्येक प्रमाण पत्र धारक, अनुसूची IV में विनिर्दिष्ट रूप में, संचार दिक्चालन एवम् निगरानी नियमावली रखेंगे तथा प्रमाण पत्र धारक इन नियमों के तहत प्रमाणित सभी संचार, दिक्चालन अथवा विमान यातायात प्रबंधन सुविधाओं के संबंध में, नियमावली की अनुमोदित प्रति रखेंगे।

(2) प्रमाण पत्र धारक द्वारा, नियमावली की प्रति अथवा महानिदेशक द्वारा विनिर्दिष्ट नियमावली का वह भाग, सभी इकाइयों को उपलब्ध कराया जाएगा।

123. **प्रमाणपत्र की विधिमान्यता की अवधि:-** महानिदेशक, किसी वैमानिक दूरसंचार केंद्र में संचार, दिक्चालन, निगरानी या विमान यातायात प्रबंधन प्रसुविधाओं का प्रमाणीकरण की अवधि जो साठ महीने से अधिक न हो, के लिए प्रदान करेंगे, और प्रत्येक अवसर पर नवीनीकरण की अवधि जो चौबीस महीनों से अधिक न हो, के लिए की जा सकती है।

124. **फीस:-** (1) किसी वैमानिक दूरसंचार केंद्र में संचार, दिक्चालन एवम् निगरानी या विमान यातायात प्रबंधन प्रसुविधाओं के लिए कोई प्रमाण पत्र प्रदान नहीं किया जाएगा, जबतक कि निम्नलिखित तालिका में विनिर्दिष्ट फीस नहीं दी जाएगी अर्थात:-

सारणी

(क)	संचार प्रसुविधा	फीस रुपयों में
(i)	प्रचालन के स्टैण्ड अलोन वेरी हाई फ्रीक्वेन्सी ट्रांसमीटर/रिसीवर, डिजिटल स्वचालित टर्मिनल सूचना प्रणाली, हाई फ्रीक्वेन्सी ट्रांसमीटर/रिसीवर डाटा लिंक्स (स्टैण्ड आवृत्ति सहित)	50,000 (पाँच आवृत्ति तक 50,000 रुपये और आगे प्रत्येक आवृत्ति के लिए 20,000 रुपये)
(ii)	ऑटोमैटिक मैसेज स्विचिंग सिस्टम एयर ट्रेफ़िक सर्विसेज मैसेज हैंडलिंग	50,000
(iii)	मास्टर क्लॉक सिस्टम	15,000
(iv)	(iv) अति उच्च आवृत्ति ट्रांसमीटर/रिसीवर, उच्च आवृत्ति ट्रांसमीटर/रिसीवर सहित ध्वनि नियंत्रित संचार प्रणाली के साथ जो केंद्र, अंतःएकक संचार और क्षमता के लिए अन्य सहायक सामग्री:-	

(क) 50 नियंत्रक कार्य केन्द्रों तक	50,000
(ख) 50 से ऊपर प्रत्येक अतिरिक्त कार्य केंद्र के लिए	5,000
(ख) दिक्चालन प्रणालियां	
(i) गैर-निदेशात्मक संकेतक/लोकेटर, मार्कर	50,000
(ii) दूरी मापन उपकरण	50,000
(iii) अति उच्च आवृत्ति सर्व-श्रेणी/डोपलर अति उच्च आवृत्ति सर्व-श्रेणी	100,000
(iv) यंत्र अवतरण प्रणाली/दूरी मापन उपकरण	200,000
(v) को-लोकेटेड (वीओआर/डीवीओआर/डीएमई) अति उच्च आवृत्ति सर्व-श्रेणी	1,25,000

(ग) निगरानी प्रसुविधा-

(i) विमानपत्तन निगरानी रडार	200,000
(ii) विमान रुट निगरानी रडार	200,000
(iii) मोनोपल्स निगरानी माध्यमिक रडार	200,000
(iv) सतह संचालन रडार मल्टी लेटरेशन के बिना	200,000
(v) स्वचालित आश्रित निगरानी-प्रसारण/संपर्क	200,000

(घ) विमान यातायात प्रबंधन प्रसुविधा-

(i) रडार डाटा प्रसंस्करण प्रणाली, उडान डाटा प्रसंस्करण प्रणाली, ऑटोमैटिक सेल्फ ब्रीफिंग सिस्टम जैसी सुविधाओं के साथ विमान यातायात प्रबंधन स्वचालन प्रणाली ।	1,000,000
(iv) उन्नत सतह संचालन मार्गदर्शन नियंत्रण प्रणाली (निगरानी और मल्टी लेटरेशन कंपोनेट्स)	3,00,000

(ड.) भू-आधारित संवर्धन प्रणाली, उपग्रह आधारित संवर्धन एवं अन्य संगठन जैसी कोई अन्य भावी दिक्चालनात्मक या विमान यातायात प्रबंधन प्रणाली ।

केंद्रीय सरकार द्वारा निर्णय लिया जाए ।

- (2) वैमानिक दूरसंचार स्टेशन पर संचार, दिक्चालन, निगरानी या विमान यातायात प्रबंधन प्रणाली संबंधी प्रमाणीकरण के नवीकरण के लिए उपनियम (1) के अंतर्गत देय फीस का पचास प्रतिशत होगा।
- (3) फीस वेतन एवं लेखा अधिकारी, नागर विमानन महानिदेशालय नागर विमानन मंत्रालय, नई दिल्ली के पक्ष में डिमांड ड्राफ्ट द्वारा देय होगी।

125. **प्रमाण पत्र प्रदान करने को शासित करने वाली शर्तें:-** (1) वैमानिक दूरसंचार स्टेशन पर संचार, दिक्चालन एवं निगरानी या विमान यातायात प्रबंधन सुविधा प्रमाणपत्र ऐसी शर्तों के अधीन प्रदान या नवीकृत किया जाएगा जो महानिदेशक द्वारा यह विचार करने पर कि कंवेशन और विमान यातायात सेवाओं या वायुयान प्रचालन या दिक्चालन की सुरक्षा के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है।

(2) उपकरण या संरूपण में कोई परिवर्तन न हो के अनुरक्षण के प्रयोजनार्थ अपेक्षित को छोड़कर जब प्रमाणन प्रभावी होता है, तब महानिदेशक के पिछले अनुमोदन को सुरक्षित और इसे अनुमोदन के लिए आवेदन सभी विवरणों के साथ महानिदेशक को संबोधित किया जाएगा।

(3) आवश्यक अनुमोदन प्रदान किया या रोका जा सकता है और यदि प्रदान किया गया है तो उसे महानिदेशक द्वारा आवश्यक हों, ऐसी शर्तों के अधीन प्रदान किया जाए।

(4) प्रमाणपत्र धारक विमान यातायात सेवाओं या वायुयान प्रचालन या दिक्चालन द्वारा उपयोगार्थ प्रमाणपत्र के प्रावधान के अनुसार उपयोज्य स्थिति में दूरसंचार स्टेशन पर संचार, दिक्चालन एवं निगरानी या विमान यातायात प्रबंधन प्रसुविधा को बनाए रखेगा।

126. **सुविधा की उपलब्धता संबंधी अधिसूचना -** वैमानिक दूरसंचार स्टेशन पर संचार, दिक्चालन एवं निगरानी या विमान यातायात प्रबंधन प्रसुविधाओं का प्रभारी व्यक्ति सुविधा के प्रकार और उपलब्धता या अन्य सेवा जो महानिदेशक द्वारा विनिर्दिष्ट विधि में विमान यातायात सेवाओं, या वायुयान प्रचालन या दिक्चालन द्वारा उपयोगार्थ उपलब्ध है, को अधिसूचित करेगा।

127. **दिक्चालनात्मक सहायक सामग्री की प्रचालनात्मक स्थिति संबंधी सूचना -** जब रेडियो दिक्चालन सहायक सामग्री प्रचालन में है, तो इसकी प्रचालनात्मक स्थिति संबंधी सूचना निम्नलिखित ब्यौरा देते हुए प्रमाण पत्र धारक द्वारा संबंधित विमान यातायात सेवाओं को उपलब्ध कराएगा, अर्थात्:-

- (i) विमान क्षेत्र जहाँ पर रेडियो दिक्चालन सहायक सामग्री स्थित है, के लिए सेवाएं, और
- (ii) उस रेडियो दिक्चालन सहायक सामग्री का उपयोग करते हुए मार्गस्थ सेवाएं।

128. **ध्वनि संचार, संकेत एवं आंकड़ों की स्वचालित रिकार्डिंग -** (1) वैमानिक दूरसंचार स्टेशन पर वहाँ पर अपेक्षित किसी संबंधित सुविधा के लिए किसी संचार, दिक्चालन एवं निगरानी या विमान यातायात प्रबंधन सुविधा का प्रमाण पत्र धारक संदेश को रिकार्ड करने और रिप्ले करने के उपस्कर, ध्वनि संचार, संकेत या आंकड़ों को प्रसारित एवं प्राप्त करने का प्रावधान करेगा तथा महानिदेशक द्वारा यथाविनिर्दिष्ट तरीके से ऐसी अवधि के लिए ऐसे रिकार्डों का रख-रखाव करेगा।

1314 GI/13-2

(2) यदि उपनियम (1) के अनुपालन में उपलब्ध कोई रिकार्डिंग सुविधा इस नियम द्वारा अपेक्षित मामलों की रिकार्डिंग की क्षमता योग्य नहीं रह जाती है तो यह सुनिश्चित किया जाएगा कि जहाँ तक व्यवहार्य है, निम्नलिखित का रिकार्ड लिखित रूप में रखा जाता है:-

(क) विमान यातायात नियंत्रण यूनिट वैमानिक दूरसंचार स्टेशन और वायुयान के बीच आदान-प्रदान किए गए ध्वनि संचार का सार और

(ख) अन्य वैमानिक दूरसंचार स्टेशन के साथ आदान-प्रदान किए गए ध्वनि संचार संदेश

(3) यदि उपनियम (1) के अनुसार उपलब्ध कोई रिकार्डिंग सुविधा अनुपयोग्य हो जाती है, तो वैमानिक दूरसंचार स्टेशन पर संचार, दिक्कालन एवं निगरानी या विमान यातायात प्रबंधन प्रसुविधा प्रभारी व्यक्ति यह सुनिश्चित करेगा कि उपकरण उचित रूप में व्यवहार्य समय पर जहाँ तक संभव हो, पुनः उपयोज्य हो जाएं।

(4) वैमानिक दूरसंचार केंद्र में संचार, दिक्कालन एवं निगरानी अथवा विमान यातायात प्रबंधन सुविधा का प्रभारी व्यक्ति अन्वेषण के प्रयोजनार्थ संदेश, आंकड़े अथवा संकेत के निबंधनों या अंशों के रिकार्ड करने की तारीख से 30 दिनों की अवधि के लिए या महानिदेशक द्वारा विनिर्दिष्ट ऐसी अवधि के लिए रिकार्ड को सुरक्षित रखेगा।

(5) वैमानिक दूरसंचार केंद्र में संचार, दिक्कालन एवं निगरानी अथवा विमान यातायात प्रबंधन सुविधा का प्रभारी व्यक्ति अन्वेषण अधिकारी या महानिदेशक द्वारा प्राधिकृत किसी अन्य व्यक्ति को ऐसे रिकार्ड प्रस्तुत करेगा।

129. **वैमानिक दूरसंचार उपस्कर अंशोधन और जांच :-** (1) प्रमाणपत्र धारक महानिदेशक द्वारा अधिकथित विनिर्देशन के अनुसार उपस्कर के अंशशोधन की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करेगा।

(2) प्रमाणपत्र धारक दुर्घटना या गंभीर घटना में फंसे विमान द्वारा प्रयोग किए गए किसी वैमानिक दूरसंचार उपस्कर की प्रचालन स्थिति की जांच करेगा और सही तरीके से रिकार्ड करेगा और ऐसे रिकार्ड को जाँच-पड़ताल के प्रयोजनार्थ उपलब्ध कराएगा।

(3) दिक्कालन प्रसुविधाओं का विमान अंशशोधन महानिदेशक द्वारा अनुमोदित अधिकारी द्वारा किया जाएगा।

130. **विमान यातायात सेवाओं में समय:-** (1) विमान यातायात सेवा इकाई घंटे, मिनट और सेकेण्ड दर्शाने वाली घड़ियों से युक्त होगा।

(2) घड़ियों और समय रिकार्ड करने वाले अन्य साधनों की समन्वित यूनिवर्सल समय के 30 सेकेण्ड ज्यादा या कम पर समय के औचित्य को सुनिश्चित करने के लिए समय-समय पर जाँच की जाएगी।

(3) जहाँ कहीं विमान यातायात सेवा इकाई द्वारा आंकड़े, सम्बद्ध, संचार का उपयोग किया जाता है, घड़ियों और समय रिकार्ड करने वाले अन्य साधनों को समन्वित यूनिवर्सल समय के सेकेण्ड के भीतर समय के औचित्य को सुनिश्चित करने के लिए समय-समय पर जाँचा जाएगा।

(4) सही समय मानक केन्द्र से प्राप्त किया जाएगा, अथवा यदि संभव न हो तो किसी अन्य यूनिट से जिसने ऐसे केन्द्र से समय प्राप्त किया हो।

131. **नाजुक और संवेदनशील क्षेत्र की सुरक्षा:-** किसी वैमानिक प्रसुविधा के आस-पास के नाजुक और संवेदनशील क्षेत्र, जिसकी सुरक्षा उपस्कर की प्रचालनात्मक दक्षता के लिए अपेक्षित हो, उसे

- (क) वैमानिक प्रसुविधा के लिए स्थल आरेखण पर स्पष्ट रूप से अभिज्ञेय हो ;
- (ख) स्थल पर उपयुक्त साइनबोर्डों से प्रत्यक्ष रूप से संरक्षित हों ; और
- (ग) विमान क्षेत्र प्रचालक या प्रमाणपत्र धारक जो भी उपयुक्त हो, द्वारा बैरियर द्वारा संरक्षित या यह सुनिश्चित करना कि स्थल प्रतिबंधों का किसी तरह से अतिलंघन न हो।

132. **प्रमाणपत्र का निलंबन, रद्दीकरण या प्रत्याहरण:-** (1) महानिदेशक प्रमाणपत्र धारक के प्रमाणपत्र को लिखित नोटिस दे कर, कोई शर्त आरोपित करके निलंबित या रद्द कर सकेगा यदि यह मानने का औचित्यपूर्ण कारण हो कि :-

- (क) प्रमाणपत्र से संबंधित किसी शर्त का उल्लंघन हुआ हो ;
- (ख) सुविधाएं, प्रचालन या रख-रखाव, विमान यातायात सेवाओं या वायु दिक्कालन की सुरक्षा के हित में अनिवार्य मानक स्तर का नहीं हों।

(2) महानिदेशक किसी प्रमाणपत्र को निलंबित या रद्द करने से पहले प्रमाणपत्र धारक को कारण बताओ नोटिस देंगे जिसमें-

- (क) निलंबन या रद्दीकरण को न्यायोचित ठहराने वाले तथ्य और परिस्थितियां ; और
- (ख) प्रमाणपत्र धारक को नोटिस की तारीख के 30 दिनों के भीतर, लिखित में स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने को कहना।

(3) महानिदेशक, निर्णय लेने से पूर्व सभी तथ्यों पर विचार करेंगे और समुचित आदेश जारी करेंगे।

(4) यदि कोई प्रमाणपत्र धारक अपना प्रमाणपत्र वापस करना चाहता है तो, धारक को उस तारीख के जब धारक अपना प्रमाणपत्र वापिस करना चाहता है अन्यून 60 दिनों का लिखित में नोटिस देना होगा।

3. **अनुसूची IV का अन्तःस्थापन -** कथित नियमों में, अनुसूची III, के बाद, निम्नलिखित अनुसूची अन्तःस्थापित की जाएगी : अर्थात् :-

अनुसूची IV

वैमानिक दूरसंचार

खंड क

प्रमाणीकरण के लिए सामान्य अपेक्षाएं

1. **वैमानिक प्रसुविधा अपेक्षाएं :-** (1) किसी वैमानिक दूरसंचार केंद्र पर संचार, दिक्चालन एवं निगरानी या विमान यातायात प्रबंधन सुविधा स्थापित करने या उपयोग करने के प्रमाणीकरण के लिए आवेदक यह सुनिश्चित करने के लिए प्रक्रिया करेगा कि -

(i) कमीशन से पूर्व आवेदक के प्रमाणपत्र में विचारार्थ प्रत्येक प्रसुविधा को शामिल किया जाए -

(क) उस प्रसुविधा के लिए विनिर्दिष्ट प्रचालनात्मक विनिर्देशन को पूरा करने के लिए डिजाइन और संस्थापित हो ;

(ख) महानिदेशक द्वारा विनिर्दिष्ट विनिर्देशन मानकों और लागू प्रणाली विशेषताओं के अनुरूप है ;

(ग) भारतीय तार अधिनियम, 1885 (1885 का 13 वां) तथा उसके तहत बनाए गए नियमों के अनुपालन में रेडियो फ्रीक्वेंसी प्रचालन अनुज्ञप्ति आबंटित की गई हो ; और

(घ) एक पहचान संकेत या परिचय संकेत आबंटित किया गया हो ।

(ii) आवेदक के प्रमाणपत्र में सूचीबद्ध प्रत्येक सुविधा में समर्पित विमान यातायात सेवा अथवा रेडियो दिक्चालन सेवा की आवश्यकताओं के लिए, समुचित प्रचालन की निरंतरता को सुनिश्चित करने के साधन और समुचित बिजली आपूर्ति प्रतिस्थापित है, और

(iii) किसी वैमानिक दूरसंचार केंद्र पर संचार, दिक्चालन एवं निगरानी या विमान यातायात प्रबंधन सुविधा स्थापित करने या उपयोग करने के लिए प्रमाणीकरण के लिए किसी आवेदक को, जो स्थल परीक्षण करने के लिए अस्थायी वैमानिक सुविधा प्रचालित करना चाहता हो, उसे उक्त परीक्षण करने के लिए एक प्रक्रिया स्थापित करनी होगी ।

2. **संचार, दिक्चालन एवं निगरानी नियमावली :-** संचार, दिक्चालन एवं निगरानी नियमावली में किसी अन्य संगत सूचना के अतिरिक्त निम्नलिखित सूचना और विवरण शामिल होंगे, अर्थात् :-

(क) **सामान्य :-** सामान्य सूचना जिसमें नियमावली का प्रयोजन और, प्रमाणपत्र धारक का संगठनात्मक ढांचा, संचार के प्रमाणीकरण के लिए कानूनी अपेक्षाएं, दिक्चालन, निगरानी या विमान यातायात प्रबंधन सुविधा, प्रमाणपत्र उपयोग करने की शर्तें, सुविधा के स्तर से संबंधित सूचना का प्रसार करने के लिए वैमानिक सूचना प्रणाली की उपलब्धता शामिल है ।

(ख) **कार्मिकों की आवश्यकता :-** (i) आवेदक के प्रमाणपत्र में सूचीबद्ध प्रत्येक सेवा को एक सुरक्षित, कुशल, निरंतर और समर्थित ढंग से सुनिश्चित करने के लिए कार्यकुशल कार्मिकों के समुचित ब्यौरे और इन सुविधाओं के रख-रखाव के लिए अपेक्षित कार्मिकों की संख्या का नियमावली में नीति के अनुसार समुचित रूप से विनिर्दिष्ट किया जाएगा।

(ii) निपुण कार्मिक को नियुक्त करने या प्राधिकृत करने, सुविधा के अनुसरण या प्रचालन के लिए या प्रमाणपत्र में सूचीबद्ध किसी सुविधा को प्रचालनात्मक सेवा में रखने के लिए प्रक्रिया जो स्पष्ट रूप से निम्नलिखित प्रणाली का उल्लेख करेगी:-

(क) निपुण कार्मिक की सक्षमता का मूल्यांकन ;

(ख) निपुण कार्मिक की सतत सक्षमता को बनाए रखना ; और

(ग) निपुण कार्मिक के लिए प्राधिकार का अवसर

(ग) **संचार, दिक्चालन एवं निगरानी या विमान यातायात प्रबंधन प्रसुविधाओं के मानक :-** (i) डिजाइन, प्रतिष्ठापन, आरंभ और परीक्षण, प्रचालन एवं अनुसरण से संबंधित तकनीकी मानकों का विवरण जो सुविधाओं के लिए लागू है, का स्पष्ट उल्लेख किया जाएगा।

(ii) इसमें विनिर्माता द्वारा ऐसी प्रसुविधा के लिए विनिर्दिष्ट किसी मानक को भी शामिल करना होगा।

(iii) जहाँ संगत मानक के साथ अनुपालन नहीं किया गया है, वहाँ पर उक्त के बारे में स्पष्ट उल्लेख किया जाएगा, और अपालन के कारण का विवरण एवं प्रसुविधा के निष्पादन के अनुसार विहित सेवा पर इसका प्रभाव एवं विभाग यातायात सेवाओं और विमान प्रचालन पर इसके प्रभाव का स्पष्ट उल्लेख किया जाएगा।

(घ) **सुविधा का तकनीकी विवरण:-** संचार, दिक्चालन एवं निगरानी या विमान यातायात प्रबंधन सुविधा प्रत्येक के लिए मूल निष्पादन विवरणकर्ता (कियात्मक विशिष्टता)।

(ङ.) **प्रचालन और अनुरक्षण योजना:-** प्रत्येक प्रसुविधा निष्पादन और अनुरक्षण अपेक्षाओं के अपने ज्ञान आधारित प्रमाण पत्रधारक द्वारा विकसित या परिवर्तित दस्तावेजों या अंतरराष्ट्रीय नागर विमानन संगठन द्वारा संगत प्रलेखन या विनिर्माता द्वारा अपेक्षित सुविधा के प्रलेखन के साथ संचार, दिक्चालन, निगरानी या विमान यातायात प्रबंधन प्रसुविधा प्रत्येक के लिए प्रचालन और अनुरक्षण योजना।

(च) **सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली:-** व्यवस्थित और पर्याप्त सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली पर सूचना यह सुनिश्चित करने के लिए है कि सुरक्षा संचार, दिक्चालन एवं निगरानी या विमान यातायात प्रबंधन प्रसुविधा के प्रावधान में अनुरक्षित है।

(छ) **परीक्षण उपकरण:-** (i) अंशशोधन स्थिति सहित परीक्षण और माप उपकरण, इसकी सभी प्रसुविधाओं का प्रचालन, निष्पादन, निरीक्षण एवं अनुरक्षण के लिए आवश्यक ब्यौरा।

1314 GI/13-3

(ii) प्रसुविधा प्रचालन और अनुरक्षण योजना या प्रत्येक सुविधा के लिए प्रचालन और अनुरक्षण अनुदेश प्रचालन एवं अनुरक्षण के प्रत्येक स्तर के लिए परीक्षण उपकरण अपेक्षाओं का विशेष रूप से उल्लेख करेंगे।

(ज) सेवा में व्यवधान:- यदि संचार, दिक्चालन एवं निगरानी या विमान यातायात प्रबंधन सुविधा बाधित होती है, तो प्रक्रिया के ब्यौरे का उपयोग किया जाएगा।

(झ) प्रक्रियाएं:- प्रतिष्ठापन, प्रचालन, अनुरक्षण से संबंधित सभी गतिविधियों का संचालन और संचार, दिक्चालन एवं संबंधित प्रत्येक के उत्तरदायित्व व जवाबदेही का स्पष्ट रूप में उल्लेख करते हुए अन्य मामलों की प्रक्रिया।

(ट) परिवर्तन के लिए प्रक्रिया:- (i) प्रसुविधा, इसके प्रचालन और अनुरक्षण योजना बनाए जाने हेतु परिवर्तन के लिए प्रक्रिया।

(ii) प्रक्रिया में परिवर्तन प्रचलनात्मक सेवा के लिए सुविधाएं समाप्त करने और वापस लेने के लिए प्रक्रियाओं प्रचालन और अनुरक्षण प्रक्रियाओं में किसी परिवर्तन का मूल्यांकन और प्राधिकृत करने के लिए प्रमाण पत्र संगठन के धारक के पास समुचित प्राधिकार स्थापित करेगा।

(iii) सेवाओं का संभार तंत्र समर्थन और प्रचालन नियमावली सहित संगत प्रलेखन का संशोधन।

(ठ) दस्तावेज नियंत्रण :- इस संबंध में नियमावली अपेक्षाओं से संबंधित सेवा प्रमाणपत्र धारक के दस्तावेज नियंत्रण प्रक्रिया की व्याख्या करेगी।

(ड) गुणता नियंत्रण:- कार्मिकों के उपयोग एवं मार्गदर्शन के लिए नीतियों, प्रक्रिया, प्रणाली से संबंधित सूचना और उस संगठन के संचार, दिक्चालन, निगरानी या विमान यातायात प्रबंधन सुविधाओं व गतिविधियों के प्रावधान से संबंधित गुणता नियंत्रण प्रणाली का ब्यौरा।

(ढ) सुरक्षा:- (i) प्रमाण पत्र धारक यह सुनिश्चित करेगा कि वैमानिक दूरसंचार स्टेशनों पर उपकरण और प्रतिष्ठापन की सुरक्षा के लिए समुचित उपाय किए गए हैं।

(ii) विमान क्षेत्र के बाहर स्थित वैमानिक दूरसंचार स्टेशनों की समुचित सुरक्षा घेराबंदी का भी प्रावधान होगा।

4. अनुसूची VI, श्रेणी IV में क्रम सं. 22 के बाद और तत्संबंधी प्रविष्टियों में, निम्नलिखित क्रम सं. और प्रविष्टियाँ अंतःस्थापित की जाएंगी, अर्थात:-

22 क	महानिदेशक द्वारा प्रमाणित किए बिना संचार, दिक्चालन एवं निगरानी या विमान यातायात प्रबंधन उपस्कर प्रसुविधाओं का प्रयोग या अनुमति	नियम 119 का उप नियम (1)
22 ख	नियम 125 के उप नियम (2) के प्रावधानों का अतिक्रमण	नियम 125 को उप नियम (2)"

[फा. सं. एवी. 11012/5/2011-ए]

प्रभात कुमार, संयुक्त सचिव

टिप्पणी :-मूल नियम भारत के राजपत्र में तारीख 23 मार्च, 1937 की अधिसूचना सं-वी-26 द्वारा प्रकाशित किए गए थे और सा.का.नि. सं. 64 (अ) द्वारा तारीख 03 फरवरी, 2012 को संशोधित और तारीख 03 फरवरी, 2012 को भारत के राजपत्र भाग II, खंड-3, उपखंड (i) में प्रकाशित किए गए थे।

MINISTRY OF CIVIL AVIATION

NOTIFICATION

New Delhi, the 28th March, 2013

G.S.R. 196(E).— The following draft of certain rules further to amend the Aircraft Rules, 1937, which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by section 5 of the Aircraft Act, 1934 (22 of 1934), is hereby published as required by section 14 of the said Act, for information of all persons likely to be affected thereby, and notice is hereby given that the said draft rules will be taken into consideration after a period of thirty days from the date on which copies of the Gazette of India in which this notification is published, are made available to the public;

Objection or suggestion, if any, may be sent to the Director General of Civil Aviation, Opposite Safdarjung Airport, New Delhi-110003;

Any objection or suggestion which may be received from any person with respect to the said draft rules before the expiry of the period specified above, will be considered by the Central Government.

Draft rules

1. Short title and commencement.— These rules may be called the Aircraft (Amendment) Rules, 2012.
2. Insertion of Part XII-A. — In the Aircraft Rules, 1937(hereinafter referred to as the said rules), Part XII-A and Part XII-B shall be renumbered as Part XII-B and Part XII-C respectively, and before Part XII-B as so renumbered, the following Part shall be inserted, namely:-

“PART XII-A- AERONAUTICAL TELECOMMUNICATION

119. Certification of communication, navigation and surveillance equipment or air traffic management facilities .— (1) No person shall cause or permit any communication, navigation, surveillance or air traffic management equipment facilities to be established or used unless it has been certified by the Director-General.

Provided that the Director-General may approve a facility for temporary use subject to such conditions as he may deem fit to impose,

for the purpose of operation of air traffic services or aircraft operation or navigation in the event of national crisis, natural calamities, emergencies or otherwise requiring operation of such facilities.

Provided further that any person already permitted and operating communication, navigation, surveillance or air traffic management facility at an aeronautical telecommunication station before the commencement of these rules may continue operation of such services till he obtains the certificate from the Director-General by the date to be notified by the Central Government.

(2) Provisions of this rule shall not apply in respect of any communication, navigation, surveillance or air traffic management facility, whose establishment and operation –

- (a) is under the control of military authorities and is primarily for the military use.
- (b) is for test purposes and not used for supporting air traffic services or not used for aircraft operation or navigation.

(3) Nothing in this rule shall exempt any person from the provisions of the Indian Telegraph Act, 1885 (13 of 1885) and the rules made thereunder for establishment and operation of communication, navigation, surveillance or air traffic management facility for air traffic services and aircraft operation at an aeronautical telecommunication station.

120. Eligibility for grant of Certificate.— A certificate for Communication, Navigation, Surveillance or Air Traffic Management facilities to be established or used at an Aeronautical Telecommunication Station in support of Air Traffic Services or aircraft operation shall be granted –

- (a) to a company or a body corporate set up for the purpose of providing communication navigation, surveillance or air traffic management facility by the Central Government or to an air navigation service provider approved for the purpose by the Director-General.
- (b) to an aerodrome licence holder for establishing a navigational facility primarily for use as landing aid to support instrument let down procedure.

121. Procedure for grant of Certificate .- (1) An application for the certification for communication, navigation, surveillance or air traffic management facility to be established or used at an aeronautical telecommunication station in support of air traffic service or aircraft

operation or navigation shall be made to the Director-General along with the Communication, Navigation and Surveillance Manual.

(2) The application under sub-rule (1) shall be in such form and contain such particulars as may be specified by the Director-General.

(3) The Director-General may, for disposal of the application, require the applicant to furnish any additional information which he considers necessary.

(4) The Director-General shall certify a communication, navigation, surveillance or air traffic management facility, subject to any conditions as may be considered necessary.

122. Communication, navigation, surveillance or air traffic management facility manual .— (1) Every holder of certificate shall have a Communication, Navigation Surveillance Manual in the form as specified in Schedule IV and approved copy of the manual shall be maintained by the certificate holder in respect of all communication, navigation, surveillance or air traffic management facilities, certified under these rules.

(2) A copy of the manual or such part of the manual as may be specified by the Director-General shall be made available by the holder of certificate to all units.

123. Period of validity of Certificate .— The Director General may grant the certification of communication, navigation, surveillance or air traffic management facility at an Aeronautical Telecommunication Station for a period not exceeding sixty months, and on each occasion may be renewed for any period not exceeding twenty four months.

124. Fee .— (1) No certificate of communication, navigation, surveillance or air traffic management facility at an Aeronautical Telecommunication Station shall be granted unless there shall be paid the fees specified in the following Table, namely:—

TABLE

(A)	Communication Facility .—	Fee in rupees
(i)	Standalone Very High Frequency Transmitter/Receiver, Digital Automatic Terminal Information System, High Frequency Transmitter/Receiver, Data Links (including standby frequency) in operation.	50,000 (Rs 50,000 upto five frequencies, then Rs. 20,000 for each frequency)

(ii)	Automatic Message Switching System Air Traffic Services Message Handling System	50,000
(iii)	Master Clock System	15,000
(iv)	Stations equipped with Voice Controlled Communication System with Very High Frequency Transmitter/Receiver, High Frequency Transmitter/Receiver, inter unit communication and other accessories for capacity :-	
(a)	Up to 50 Controller work stations	50,000
(b)	for each additional work stations above 50	5,000
(B) Navigation Systems .—		
(i)	Non-Directional Beacon/Locator, Marker	50,000
(ii)	Distance Measuring Equipment	50,000
(iii)	Very High Frequency Omni-Range/Doppler Very High Frequency Omni -Range	100,000
(iv)	Instrument Landing System/Distance Measuring Equipment	200,000
(v)	Co-located (VOR/DVOR/DME) Very high frequency omni range,	125,000
(C) Surveillance Facility .—		
(i)	Airport Surveillance Radar	200,000
(ii)	Air Route Surveillance Radar	200,000
(iii)	Monopulse Surveillance Secondary Radar	200,000
(iv)	Surface Movement Radar without multi-lateration	200,000
(v)	Automatic Dependent Surveillance- Broadcast/Contact	200,000

- | | | |
|------|---|--|
| (D) | Air traffic management facility .— (i) Air traffic management automation system with facilities like Radar Data Processing system, Flight Data Processing system, Automatic Self Briefing System | 1,000,000 |
| (ii) | Advanced Surface Movement Guidance Control System (Surveillance and Multi-lateration components) | 3,00,000 |
| (E) | Any other futuristic navigational or air traffic management system service like Ground Based Augmentation System, Satellite Based Augmentation and other organisation. | To be decided by the Central Government. |

(2) The fee for renewal of certification of communication, navigation, surveillance or air traffic management facility at an aeronautical telecommunication station shall be fifty per cent of the fee payable under sub-rule (1).

(3) The fee shall be paid by Demand Draft drawn in favour of Pay and Accounts Officer, Directorate General of Civil Aviation, Ministry of Civil Aviation, New Delhi.

125. Conditions governing the grant of Certificate .— (1) Certification of communication, navigation, surveillance or air traffic management facility at an aeronautical telecommunication station shall be granted or renewed subject to such conditions as the Director-General considers necessary to ensure compliance with the Convention and the safety of Air Traffic Services or aircraft operation or navigation.

(2) While certification is in force, except required for the maintenance purpose, no change in equipment system or configuration, shall be undertaken save with the previous approval of the Director-General and application for such approval shall be addressed to the Director-General which shall be accompanied with full particulars.

(3) The necessary approval may be granted or withheld and if granted may be granted subject to such conditions as the Director-General may consider necessary.

(4) The holder of the certificate shall maintain communication, navigation, surveillance or air traffic management facility at an aeronautical telecommunication station in a serviceable state as per the provision of certificate for use by air traffic services or aircraft operation or navigation.

126. Notification on availability of facility .— The person in charge of communication, navigation, surveillance or air traffic management facilities at an aeronautical telecommunication station shall notify type and availability of facility or any service which is available for use by air traffic services or aircraft operation and navigation in the manner specified by the Director-General.

127. Information on the operational status of navigational aids .— While a radio navigation aid is in operation, information on its operational status shall be made available by the holder of the certificate to the concerned Air Traffic Services unit giving the following details, namely:-

- (i) services for the aerodrome where the radio navigation aid is located; and
- (ii) en-route services using that radio navigation aid.

128. Automatic recording of voice communications, signal and data .— (1) The certificate holder of any communication, navigation, surveillance or air traffic management facility at an aeronautical telecommunication station and any associated facility required thereto shall, make provision for recording and replaying the messages, voice communication, signals and data transmitted or received through equipment and maintain such records for such period and in such manner as specified by the Director-General.

(2) If any recording facility provided in compliance with sub-rule (1) ceases to be capable of recording the matters required by this rule to be included in the records, it shall be ensured that, as far as practicable, a record of the following is kept in writing —

- (a) a summary of voice communications exchanged between the Aeronautical Telecommunication Station and aircraft by Air Traffic control unit; and
- (b) voice communication, message exchanged with other Aeronautical Telecommunication Station.

(3) If any recording facility provided in accordance with sub rule (1) becomes unserviceable, the person in charge of communication, navigation, surveillance or air traffic management facility at an Aeronautical Telecommunication Station shall ensure that the apparatus is rendered serviceable again as soon as possible in reasonably practicable time.

(4) The person in charge of communication, navigation, surveillance or air traffic management facility at an Aeronautical Telecommunication Station shall preserve record for a period of 30 days from the date on which the terms or content of the message, data or signal were recorded for the purpose of investigation or for such longer period as may be specified by the Director-General.

(5) The person in charge of communication, navigation, surveillance or air traffic management facility at an aeronautical telecommunication station shall produce such record to investigating official or to any other person authorised by Director-General.

129. Aeronautical telecommunication equipment calibration and check .— (1) The holder of certificate shall establish a procedure for calibration of the equipment in accordance with the specifications laid down by the Director-General.

(2) The holder of certificate shall check and accurately record the operating condition of any aeronautical telecommunication equipment that may have been used by an aircraft involved in an accident or serious incident and make such record available for the investigation purpose.

(3) The air calibration of navigation facilities shall be carried out by an entity approved by the Director General.

130. Time in Air Traffic Services .— (1) Air traffic service units shall be equipped with clocks indicating the time in hours, minutes and seconds.

(2) Clocks and other time recording devices shall be checked periodically to ensure correctness of time to within plus or minus 30 seconds of coordinated universal time.

(3) Wherever data link communications are utilized by an Air Traffic Services unit, clocks and other time-recording devices shall be checked periodically to ensure correctness of time within 1 second of coordinated universal time.

(4) The correct time shall be obtained from a standard time station, or if not possible, from another unit which has obtained time from such station.

131. Protection of critical and sensitive areas .— Any critical and sensitive area around an aeronautical facility required to be protected for the operational efficiency of the equipment, shall be —

(a) clearly identified on the site drawings for the aeronautical facility;

1314 GI/13-5

- (b) physically protected by suitable signposts at the site; and
- (c) protected by aerodrome operator or holder of certificate, as appropriate, through barriers or otherwise to ensure that site restrictions are not infringed in any form.

132. Suspension, cancellation or withdrawal of a certificate .—

(1) The Director-General may, by giving notice in writing to the holder of a certificate, impose any condition or suspend or cancel the certificate if there are reasonable grounds to believe that —

- (a) there has been a breach of any condition to which the certificate is subject;
- (b) the facilities, operations or maintenance are not of the standard necessary in the interests of the safety of air traffic services or air navigation.

(2) The Director-General shall give a show cause notice to the holder of certificate before suspending or cancelling a certificate stating —

- (a) the facts and circumstances that would justify the suspension or cancellation; and
- (b) ask the holder of the certificate to submit explanation in writing, within 30 days after the date of the notice,

(3) The Director-General shall, before taking a decision take into account all facts and pass an appropriate order.

(4) If the holder of a certificate wishes to surrender a certificate, the holder shall give not less than 60 days' notice in writing of the date on which the holder wishes the certificate to be surrendered.

3. Insertion of Schedule IV .— In the said rules, after Schedule III, the following Schedule shall be inserted, namely:—

“SCHEDULE IV

AERONAUTICAL TELECOMMUNICATION

SECTION A

GENERAL REQUIREMENTS OF CERTIFICATION

1. Aeronautical facility requirements .— (i) An applicant for certification of a communication, navigation, surveillance or air traffic management facility to

be established or used at an Aeronautical Telecommunication Station shall establish a procedure to ensure that—

(i) each facility intended to be included in the certificate of the applicant before commissioning —

- (a) is designed and installed to meet the applicable operational specification specified for that facility;
- (b) conforms with the applicable system characteristics and specification standards specified by the Director-General ;
- (c) has been allocated a Radio Frequency Operating License in compliance with the Indian Telegraph Act, 1885 (13 of 1885) and rules made thereunder; and
- (d) has been allocated an identification code or call sign.

(ii) each facility listed in the certificate of the applicant is installed with suitable power supplies and means to ensure continuity of operation appropriate to the needs of the air traffic service or radio navigation service being supported; and

(iii) an applicant for certification of communication, navigation, surveillance or air traffic management facility to be established or used at an Aeronautical Telecommunication Station who intends to operate a temporary aeronautical facility to carry out site tests shall establish a procedure for conducting those tests.

2. Communication, navigation and surveillance manual .— The communication, navigations and surveillance manual in addition to any other relevant information shall contain the following information and particulars, namely :—

(a) General .— General information including purpose and scope of the manual, management and organisation structure of the holder of the certificate, legal requirement for certification of communication, navigation, surveillance or air traffic management facility, conditions for the use of the certificate, availability of aeronautical information system for disseminating information regarding status of facility.

(b) Requirement of personnel .— (i) Appropriate details of proficient personnel to ensure each service listed in the certificate of the applicant in a safe, efficient, continuous and sustainable manner and the number of personnel required to maintain facilities shall be specified appropriately in the manual as per policy.

1314 GI/13-6

(ii) Procedure for employing or authorising proficient personnel, for maintenance and operation of the facility or to place into operational service any of the facility listed in the certificate which shall clearly specify the system to -

- (a) assess the competence of proficient personnel;
- (b) maintain the continued competence of proficient personnel; and
- (c) scope of authorisation for proficient personnel.

(c) Standards of communication, navigation, surveillance or air traffic management facility .— (i) Details of the technical standards relating to design, installation, commissioning and testing, operation and maintenance that are applicable to facility shall be specified.

(ii) It shall also include any standards specified for such facility by the manufacturer.

(iii) Where compliance with a relevant standard is not achieved, the same shall be clearly indicated, and a statement of the reason for non-compliance and its impact on the service provided in terms of the performance of the facility and its impact on air traffic services and aircraft operation, shall be specified.

(d) Technical description of facility .— Basic performance descriptors (functional specification) for each of the communication, navigation, surveillance or air traffic management facility.

(e) Operation and maintenance plan .— Operation and maintenance plan for each of the communication, navigation, surveillance or air traffic management facility alongwith the documentation of the facility required by the manufacturer, relevant documentations by International Civil Aviation Organisation or documents developed or varied by the holder of certificate based on its knowledge of the performance and maintenance requirements of each facility.

(f) Safety management system .— Information on systematic and appropriate safety management system to ensure that safety is maintained in the provision of the communication, navigation, surveillance or air traffic management facility.

(g) Test equipments .- (i) Details of test and measuring equipments, including their calibration status, necessary for the operation, performance, inspection, and maintenance, of all of its facilities.

(ii) The facility operation and maintenance plan or the instructions of operating and maintenance for each facility shall specify the test equipment requirements for each level of operation and maintenance.

(h) Interruption to service .- Details of the procedure to be used if operation of communication, navigation, surveillance or air traffic management facility is interrupted.

(i) Procedures .- Procedure for conducting all the activities related to installation, operation, maintenance and other matters of communication, navigation and surveillance facilities clearly specifying the duties and responsibilities of each concerned.

(j) Procedure for change .- (i) The procedure for change to be made for a facility, its operation and maintenance plan.

(ii) The change of procedure shall establish an appropriate authority within the holder of the certificate organisation to assess and authorise any changes to operation and maintenance procedures and the procedures for removal and return of facilities to operational service and;

(iii) The logistics support of services and the amendment of relevant documentation including the operations manual.

(k) Document control .- The manual shall describe the document control process of the holder of service certificate concerning the requirements in this regard.

(l) Quality control .- For the use and guidance of personnel, the details of information concerning policies, procedure, practice and quality control method relating to provision of communication, navigation, surveillance or air traffic management facilities and activities of that organization.

(m) Security .- (i) The holder of certificate shall ensure that reasonable measures are made for the security of equipment and installation at aeronautical telecommunication stations.

(ii) The aeronautical telecommunication stations located outside the aerodrome shall also have provision of suitable security fencing.

4. In Schedule VI, in Category IV, after S. No. 22 and the entries relating thereto, the following S. No. and the entries shall be inserted, namely:-

"22A.	For causing or permitting any communication, navigation, surveillance or air traffic management equipment facility to be established or used without being certified by the Director-General.	Sub-rule(1) of rule 119
22B.	Violation of the provisions of sub-rule(2) of rule 125.	Sub-rule (2) of rule 125."

[F. No. AV. 11012/5/2011-A]

PRABHAT KUMAR, Jt. Secy.

Note :— The principal rules were published in the Official Gazette vide notification number V-26, dated the 23rd March, 1937 and was last amended by G.S.R. 64(E), dated 3rd February, 2012, published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (i), dated the 3rd February, 2012.